Advisory visit की प्रक्रिया एवं Check List

व्यापारी के व्यापार स्थल की Advisory Visit करते समय व्यापारी एवं अधिकारी के स्तर पर अपनायी जाने वाली प्रक्रिया :–

(क) व्यापारी के स्तर पर अपेक्षित कार्यवाही :–

1. व्यापारी द्वारा पंजीयन प्रार्थना पत्र की हार्डकॉपी, जिसमें सभी कॉलम पूर्ण हों तथा निर्धारित स्थान पर फोटो लगी हो एवं सक्षम व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षरित एवं अभिप्रमाणित हो, की प्रति तैयार रखी जायेगी।

2. व्यापारी द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ जिन–जिन अभिलेखों को स्कैन करके अपलोड किया गया है उनके सत्यापन हेतु मूल प्रतियां उपलब्ध करायी जायेंगी।

3. यदि प्रार्थना पत्र अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा दिया गया है तो अधिकृत प्रतिनिधि व अधिकृत करने वाले, दोनों की फोटो लगा अधिकार पत्र उपलब्ध कराया जायेगा। इसके अतिरिक्त खण्ड (ख) के अन्तर्गत अधिकारी द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के बिन्दु संख्या 1 में एडवाइजरी विजिट की तिथि नियत किये जाने के समय अत्यन्त आव यक प्रतीत होने पर अधिकारी द्वारा उपलब्ध करवाये जाने हेतु सूचित किये गये अतिरिक्त अभिलेखों को भी एडवाइजरी विजिट (Advisory Visit) के समय व्यापारी द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।

(ख) अधिकारी के स्तर पर अपनायी जाने वाली प्रक्रिया :-

1- ऑनलाइन प्रार्थना पत्र प्राप्त होते ही प्रार्थना पत्र पर दिये गये मोबाइल नम्बर/फोन नम्बर पर व्यापारी से एडवाइजरी विजिट की तिथि नियत की जायेगी। एडवाइजरी विजिट की तिथि नियत किये जाने के समय यदि व्यापारी द्वारा पंजीयन प्रार्थना पत्र के साथ अपलोड किये गये प्रपत्रों के अतिरिक्त, अधिकारी, कोई अन्य अभिलेख व्यापारी से प्राप्त किया जाना अत्यन्त आवष्यक समझते हैं तो इस सम्बन्ध में व्यापारी को सूचित किया जायेगा।

2. कर निर्धारण अधिकारी द्वारा स्कैन किये गये अभिलेखों का प्रिन्टआउट लिया जायेगा व अपने साथ व्यापार स्थल पर ले जाया जायेगा तथा उसका मिलान व्यापारी द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों की मूल प्रति से किया जायेगा एवं प्रिन्टआउट पर व्यापारी के अथवा अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर भी कराये जायेंगे।

3. इस परिपत्र के साथ दिये गये पंजीयन सर्वेक्षण प्रारूप में दी गयी सूचनाओं को पूर्ण किया जायेगा तथा इस पर अधिकारी व आवेदनकर्ता दोनों के द्वारा हस्ताक्षर किये जायेंगे। इसकी एक प्रति व्यापारी को भी दी जायेगी।

4. अधिकारी द्वारा घोषित व्यापार स्थल की geo-tagging की जायेगी। यदि गोदाम व शाखा विजिटिंग अधिकारी के क्षेत्रान्तर्गत है तो उसकी जांच व geo-tagging भी की जायेगी।

5. अधिकारी निम्न बिन्दुओं पर व्यापारी का संक्षिप्त में मार्गदर्षन भी करेंगेः–

(i) कर भुगतान व रिटर्न प्रस्तुत करने की प्रक्रिया व समयसीमा।

(ii) इनपुट टैक्स का लाभ लेने की प्रक्रिया।

(iii) यदि व्यापारी को e-forms का प्रयोग करना है तो इसकी प्रक्रिया।

(iv) इसके अतिरिक्त व्यापारी कुछ और जानकारी चाहते हैं तो अधिकारी द्वारा उसके सम्बन्ध में भी अवगत कराया जायेगा।

6- यदि अधिकारी के अधिकार क्षेत्र से बाहर शाखा/गोदाम है तो उसकी जांच व geo-tagging अलग से सम्बन्धित क्षेत्राधिकार के अधिकारी द्वारा की जायेगी, जिसके लिये खण्डाधिकारी द्वारा सम्बन्धित खण्डाधिकारी को पत्र प्रेषित किया जायेगा।

पंजीयन जाँच का प्रारूप

1– सर्वेक्षण का दिनांक .....

(क) उपस्थित व्यक्ति का नाम/फर्म की प्रास्थिति .....

2–(क) फर्म/कम्पनी का नाम व पता .....

(ख) ब्रान्च/गोदाम के विवरण .....

3–(क) टैक्स पेयर्स आईडेंटिफिकेषन नम्बर(TIN).....(ख) प्रभावी दिनांक .....

4– पंजीयन जिसके लिए आवेदन किया गया .....

(क) उत्तराखण्ड मूल्यवर्धित कर अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत .....

(1) नियमित डीलर के रूप में –

(2) ऐच्छिक (Voluntary) के रूप में –

(3) कैजुअल डीलर के रूप में –

(ख) केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम के अन्तर्गत .....

(1) धारा 7(1) के अन्तर्गत

(2) धारा 7(2) के अन्तर्गत

(ग) उत्तराखण्ड स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेष पर कर अधिनियम, 2008 के अन्तर्गत .....

(घ) उत्तराँचल(उत्तरप्रदेष कराधान तथा भू–राजस्व विधि अधिनियम, 1975 अनुकूलन एवम् उपांतरण आदेष 2002) के अन्तर्गत .....

5– व्यापार का स्वरूप –

☐ निर्माता ☐ ट्रेडर ☐ कार्यसंविदाकार ☐ राईट टू यूज के अन्तर्गत ☐ अन्य

6– व्यापारिक वस्तुएँ –

(क) प्रान्तीय संव्यवहार हेतु – .....
(ख) केन्द्रीय संव्यवहार हेतु – .....
(ग) निर्यात हेतु – .....

7– व्यापारिक प्रतिष्ठान का विवरण –

☐ (1) निजी सम्पत्ति
(क) सम्पत्ति का विवरण
.....
.....

☐ (2) किराए पर
(क) भवन स्वामी का नाम/पता
.....
.....
(ख) किराया
(ग) किरायानामा पंजीकृत है/अपंजीकृत है
(घ) यदि किरायानामा/अपंजीकृत है तो गवाहों के विवरण
1 .....
2 .....

☐ (3) लीज पर
(क) Lessor का नाम/पता
.....
.....
(ख) लीज की अवधि
(ग) लीज की राषि

8– व्यापार स्थल की चौहद्दी का विवरण –

(1) पूर्व में – (2) पश्चिम में – (3) उत्तर में (4) दक्षिण में

9– फर्म के बोर्ड की स्थिति – ☐ हाँ ☐ नहीं

10– कार्यरत कर्मचारी/स्टाफ की संख्या –

11–(क) इलेक्ट्रिक मीटर का नम्बर तथा सीलिंग सर्टिफिकेट (ख) वर्तमान रीडिंग .....

जिसके नाम जारी है, उसका उल्लेख .....

12– स्टाक का विवरण .....

(क) प्रान्तीय ..... (ख) आयातित .....
(i) कच्चा माल/सेमी फिनिष्ड माल ..... (i) कच्चा माल/सेमी फिनिष्ड माल .....
(ii) फिनिष्ड गुड्स ..... (ii) फिनिष्ड गुड्स .....
(iii) वेस्ट प्रोड्क्ट्स ..... (iii) ट्रान्सफर आफ राईट टू यूज के
(iv) ट्रान्सफर आफ राईट टू यूज के अन्तर्गत अन्तर्गत प्राप्त गुड्स .....
अन्तरित गुड्स .....

13– अन्य विवरण .....

(i) यदि निर्माता द्वारा मषीनरी लगायी हुई है तो उसके विवरण .....

(ii) यदि व्यापार स्थल का निर्माण कराया गया है तो संविदाकार के विवरण जिससे यह कार्य कराया गया .....

(iii) लोन/बैंक के विवरण जिससे लोन लेकर व्यापार आरम्भ किया गया –

(क) बैंक का नाम (ख) शाखा (ग) लोन एकाउण्ट नम्बर

उपस्थित व्यक्ति के हस्ताक्षर

ह0 सर्वेक्षण अधिकारी
सर्वेक्षण अधिकारी का नाम व
पदनाम की मोहर

14– सर्वेक्षण अधिकारी की स्पष्ट अभ्युक्ति .....

ह0 सर्वेक्षण अधिकारी
सर्वेक्षण अधिकारी का नाम व
पदनाम की मोहर